स्पन्दन
विचारों का ....

त्रैमासिक समाचार पत्रिका

महिला पी.जी. महाविद्यालय, जोधपुर अंक : 01 अप्रेल, 2018 मुल्य : 50/- वार्षिक

गणतन्त्र–दिवस एवं वार्षिकोत्सव समारोहपूर्वक मनाया

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में दिनांक 26 जनवरी, 2018 को गणतन्त्र–दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह का शुभारम्भ संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम.जोशी द्वारा झण्डारोहण एवं राष्ट्रीय गान से हुआ। इन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में सभी को गणतन्त्र–दिवस की बधाई देते हुए कहा कि –'हमारे जीवन में यह दिन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। इसी दिन (26 जनवरी, 1950) हमारे राष्ट्र का संविधान लागू हुआ था। यह हमारा राष्ट्रीय पर्व है, जिसे हम सभी को मनाना चाहिए।' इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं मार्च–पास्ट, पी. टी., आग के गोले से निकलना एवं विविध शारीरिक व्यायाम का प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा कराटे में प्रशिक्षित छात्राओं द्वारा टाईल्स ब्रेकिंग एवं कराटे की अन्य कलाओं का प्रदर्शन किया गया। साथ ही गणतन्त्र–दिवस के अवसर पर देशभक्ति पर आधारित गीतों एवं नृत्यों की सुन्दर प्रस्तुति दी गयी। महाविद्यालय में गणतंत्र–दिवस के अवसर पर ही वार्षिकोत्सव का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में न्यायाधीश श्री गोपालकृष्ण व्यास उपस्थित रहे। जिसमें संस्थान अध्यक्ष डॉ. पी.एम.जोशी ने महाविद्यालय का वार्षिक–प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पिछले सत्र में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय की छात्राओं द्वारा अर्जित शैक्षणिक उपलब्धियों पर स्वर्ण एवं रजत पदक प्रदान कर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेविका के रूप में स्वर्ण पदक प्रदान कर सुश्री सरोज को सम्मानित किया गया। वहीं महाविद्यालय की सर्वश्रेष्ठ छात्रा के रूप में सुश्री अनीता सिरवी को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्री गोपालकृष्ण व्यास ने छात्राओं को बधाई दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास,, उपाध्यक्ष सूरज प्रकाश व्यास, प्रो. एन.डी. पुरोहित, प्रो. ए.डी. बोहरा स्मृति वीमन लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज व्यास, महिला टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. उमा लोहरा, श्री जी.पी. व्यास, श्यामलाल हर्ष व श्री कृष्ण व्यास के साथ कई गणमान्य पदाधिकारी, समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जसमिता पंवार एवं सबा खान ने किया।

''कृति – 2017'' में पुरस्कार वितरण से उमड़ा छात्राओं का उत्साह

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में छात्र–परिषद् द्वारा त्रि–दिवसीय खेलकूद व सांस्कृतिक–कार्यक्रम **''कृति–2017''** के समापन समारोह में दिनांक 22 दिसम्बर, 2017 को छात्राओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका हौंसला बढ़ाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान सचिव प्रो. के. एन. व्यास और विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान कोषाध्यक्ष श्री एस.एल. हर्ष उपस्थित रहे। उपस्थितियों का माल्यापर्ण एवं पौधा भेट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की इसी कडी में छात्रपरिषद् सलाहाकर डॉ. सीमा हटीला ने त्रि–दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री एस.एल. हर्ष ने छात्राओं को आशीर्वचन प्रदान किया। उन्होने बताया कि खेल मात्र मनोरजंन नहीं, बल्कि मन और शरीर को संयमित करने का माध्यम हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. के.एन. व्यास ने छात्र परिषद् के सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान अनुशासन को सराहा। साथ ही मोदी जी के **'स्वच्छ एवं स्वस्थ'** अभियान का महत्त्व बताया और कहा कि खेल ही स्वस्थता का माध्यम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. पी.एम. जोशी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि कृति सर्जनात्मक कौशल का प्रतीक है। उन्होंने विजेता छात्राओं को पुरस्कार मिलने पर बधाई दी एव अन्य छात्राओं को उनसे प्रेरणा ग्रहण करने की बात कही। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कृति सर्जनात्मक कौशल का प्रतीक होने के साथ साथ छात्राओं की पूर्ण व्यक्तित्व के विकास का माध्यम है क्योंकि मनुष्य का व्यक्तित्व तभी पूर्ण बनता है जब वह सभी प्रकार के कार्य को करने में सक्षम होता हैं। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी प्रो. ए.बोहरा एवं प्रो. नटवर लाल कल्ला एवं सभी शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदाधिकारी उपस्थित रहें।

महिला पीजी महाविद्यालय ने नरुला संग मनाया स्थापना दिवस

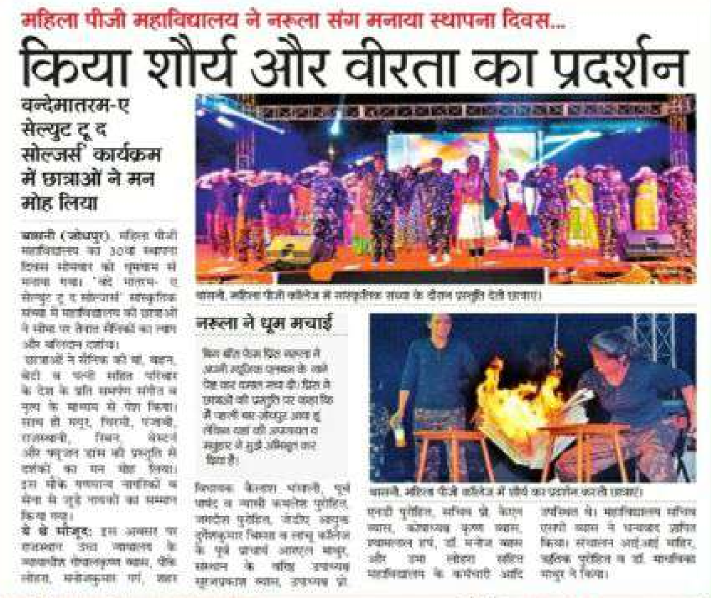

महिला पीजी महाविद्यालय ने नरुला संग मनाया स्थापना दिवस...

किया शौर्य और वीरता का प्रदर्शन

वन्देमातरम-ए सेल्युट टू द सोल्जर्स कार्यक्रम में छात्राओं ने मन मोह लिया

नरुला ने धूम मचाई

महिला पी.जी. महाविद्यालय में P.U.T. परीक्षा – 2018

श्री जयनारायण व्यस शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में **Pre University Test (P.U.T.) परीक्षा** का आयोजन दिनांक 28/01/2018 से किया गया। इस परीक्षा में महाविद्यालय की तीनों संकायों (कला, विज्ञान, वाणिज्य, बी.सी.ए. व बी.बी.ए.) की छात्राओं ने भाग लिया। परीक्षा समन्वयक प्रो. अचले वर बोहरा ने बताया कि प्रथम पारी में तीनों संकायों की तृतीय वर्ष की परीक्षा आयोजित की गयी। द्वितीय पारी में द्वितीय वर्ष तथा तृतीय पारी में तीनों संकायों की प्रथम वर्ष की परीक्षा आयोजित की गयी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से छात्राओं को आगामी विश्वविद्यालय की परीक्षा का न केवल पैटर्न समझने में मदद मिलेगी, अपितु उनकी मुख्य परीक्षा हेतु तैयारी भी हो जाएगी। साथ ही उनको अनिवार्य हिन्दी व अंग्रेजी की परीक्षाओं में ओ.एम.आर. शीट के द्वारा परीक्षा देने की भी जानकारी प्राप्त हो जाएगी।

"महिला पी.जी. महाविद्यालय में फ्रेशर्स पार्टी की धूम"

महिला पी.जी. महाविद्यालय में नवागंतुक छात्राओं हेतु छात्र परिषद द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने नवागंतुक छात्राओं को बधाई देते हुए निरन्तर प्रगति की अभिलाषा रखी।

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. पी.एन. जोशी ने नवागंतुक छात्राओं को शुभाशीष देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने नवागंतुक छात्राओं को महाविद्यालय का नाम रोशन करते हुए निरन्तर आगे बढ़ने की कामना की।

इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्य सूरजप्रकाश व्यास, प्रो. नारायणदास पुरोहित, श्यामलाल हर्ष, कृष्णकांत व्यास, जी.पी. व्यास ने नवागंतुक छात्राओं को शुभाशीष दी। छात्र परिषद सलाहकार डॉ. सीमा हटीला ने बताया कि मिस फ्रेशर्स चयन हेतु तीन राउण्ड रखे गये एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें निर्णायक की भूमिका सरदार पटेल पुलिस महाविद्यालय की प्रो. जागृति उपाध्याय एवं श्रीमती अंजली मोहनोत ने निभाई। छात्र परिषद् अध्यक्ष सुश्री सोनाली गोयल ने बताया कि मिस फ्रेशर्स स्तुति कच्छवाहा बी.एस.सी. प्रथम वर्ष एवं प्रथम रनअप कृष्णा बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय रनअप नीतु बंसल बी.ए. प्रथम वर्ष रही। जसमीता पंवार उपाध्यक्ष, रचना आचार्य सचिव, निधि भण्डारी कोषाध्यक्ष, प्रिती भाटी संयुक्त सचिव का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन संलोनी ओझा एवं साक्षी चौपड़ा ने किया।

दो दिवसीय माइग्रेशन एण्ड सेटलमेन्ट्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा 'माईग्रेशन एण्ड सेटलमेन्ट्स : डवलपमेन्ट्स ऑफ क्रॉस कल्चरल इण्डिया' विषयक दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ दिनांक 25 जुलाई, 2017 को प्रातः 10.00 बजे अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं महाविद्यालय के कुलगीत से हुआ। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविख्यात शाइर शीन काफ निज़ाम तथा विषय प्रवर्तक के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रो. उमेश कदम उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं पबना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के प्रोफेसर अनुवरूल इस्लाम ने उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि **"प्रवसन इतिहास के प्रारम्भ से अब तक होने वाले राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक परिवर्तनों का मूल कारण है, जिसने नवीन विस्थापन पद्धतियों को जन्म दिया है। यह प्रवसन प्रक्रिया ही उत्तर आधुनिकतावाद के अन्तर्गत 'बहुसंस्कृतिवाद' के नाम से जानी जाती है।"**

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शीन काफ निज़ाम ने कहा कि – "आज जब हम माइग्रेशन ऑफ सेटलमेन्ट्स की बात करते हैं तो हमें ज्ञात होता है कि हम इतिहास के अन्तर्गत विविध कालों की बात करते हैं परन्तु कहीं पर भी सांस्कृतिक काल की बात नहीं होती है। वस्तुतः आज सांस्कृतिक समय विलुप्त हो रहा है।" उन्होंने प्रवसन को 'हिजरत' और 'नकलेमकानी' के संदर्भ में समझाया। उन्होंने कहा कि "व्यक्ति संस्कारविहीन हो सकता है। लेकिन संस्कृतिविहीन नहीं हो सकता। सभ्यता एक ऐसा फूल है, संस्कृति जिसकी सुगन्ध है।"

विषय प्रवर्तक प्रो. उमेश कदम ने अपने वक्तव्य में रविन्द्रनाथ टैगोर की 'आनन्दमठ' का उदाहरण देते हुए अनेकता में एकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "व्यक्तियों में मतभेद होना अपरिहार्य है क्योंकि मतभेद ही विकास की सीढ़ी है। सभी मानवीय समुदाय अपनी नैसर्गिक प्रकृति को बनाये रखते हुए दूसरे समुदाय की प्रकृति को भी आत्मसात करते हैं और उसी से समन्वयात्मक संस्कृति का विकास होता है।"

संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एन. जोशी ने कहा कि भारत के संदर्भ में अप्रवासन की शुरूआत सबसे पहले पारसियों से हुई थी। जिन्होंने भारत पर आक्रमण किया और फिर भारत में ही बस गये। राजस्थान के संदर्भ में प्रवसन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रवसन का मुख्य कारण यहाँ अकाल रहा है, जिसके कारण लोग यहाँ से प्रवास कर गये और बाहर जाकर एक समन्वित संस्कृति की उद्भव का कारण बनी। उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनिल पुरोहित ने किया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात् प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी इतिहासविद् स्वर्गीय प्रो. आर. पी. व्यास स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय **'राजस्थानी इतिहास स्रोतों में श्यामलदास का योगदान'** था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शीन काफ निज़ाम, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. जी.एल. देवड़ा एवं मुख्य वक्ता प्रो. इशरत आलम उपस्थित रहे। प्रो. एस.पी. व्यास ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो. आर.पी. व्यास की स्मृतियों को साझा किया और कहा कि राजस्थान में हिस्ट्री कांग्रेस की स्थापना उन्हीं के प्रयासों का प्रतिफल है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. जी.एल. देवड़ा ने बताया कि राजस्थान का विस्तृत इतिहास पहली बार श्यामल दास द्वारा लिखा गया है। कुछ लोग इसे कर्नल टॉड के कार्यों का अनुवाद मानते हैं पर ऐसा नहीं है। उन्होंने कर्नल टॉड से इतर ऐतिहासिक कार्यों पर भी प्रकाश डाला है। वहीं विषय प्रवर्तक के रूप में उपस्थित प्रो. इशरत आलम ने देवड़ाजी के वक्तव्य का समर्थन करते हुए कहा कि ऐसा बहुत बार हुआ है कि समकालीन इतिहासकारों से उनकी असहमति रही है। उन्होंने राजपूतों की पौराणिक उत्पत्ति के बारे में बताया और कहा कि उनकी पुस्तक वीर विनोद न केवल साहित्य की धरोहर है अपितु ऐतिहासिक स्त्रोतों में भी विशिष्ट महत्व रखती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राजेन्द्र प्रसाद व्यास ने की एवं धन्यवाद प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने ज्ञापित किया। इसके पश्चात् संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता डॉ. सुनिता जैदी एवं डॉ. विनीता परिहार ने की। इस सत्र में प्रो. अयुब अली, प्रो. अनुवरूल इस्लाम, डॉ. मनीषा चौधरी, डॉ. सत्यदेव पोद्दार ने पत्र वाचन किया।

इस सत्र के पश्चात् सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा राजस्थानी लोकगीतों एवं नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति डॉ. हेमा जैन, श्रीमती दीपशिखा बोहरा, सुश्री हेमेन्द्रा के निर्देशन में दी गयी। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सभी सदस्य प्रो. एस.पी. व्यास, श्री कृष्ण व्यास, श्री सूरज प्रकाश व्यास, प्रो. के.एन. व्यास, श्री ओम प्रकाश कल्ला, प्रो. एन.डी. पुरोहित, ई. के.सी. बोहरा, ई. जी.पी. व्यास, श्री श्यामलाल हर्ष, प्रो. ए. बोहरा, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका व्यास ने किया।

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन दिनांक 26 जुलाई, 2017 को द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. इनायत अली जैदी, प्रो. वशिष्ठ, प्रो. शांति देवड़ा ने की। इस तकनीकी सत्र में प्रो. सूरजभान, डॉ. मयंक माथुर, प्रो. नीतिन्द्र वशिष्ठ, प्रो. रफीक हसनैन, सीमा जांगिड़, विनिता श्रीवास्तव ने पत्रवाचन किया। तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. रविन्द्र शर्मा, प्रो. अनुवरूल इस्लाम, प्रो. नीतिन्द्र वशिष्ठ ने की। इस सत्र में डॉ. मीनाक्षी पूनिया, प्रो. राजेश, दिव्या सेठी, तबस्सुम निसार, डॉ. सुनिता बोहरा, पूर्वा भाटिया, डॉ. भंवर सिंह राठौड़, कंचन लालवानी ने पत्र वाचन किया। चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. जी.डी. गुलाटी, प्रो. सत्यदेव पोद्दार प्रो. पुष्पा शर्मा ने की। इस सत्र में प्रो. के.सी. सैम्पा, प्रो. प्रेमराम, प्रो. सुनीता जैदी, एस.एम. इस्लाम, डॉ. जागृति उपाध्याय, डॉ. नितिन गोयल, सुश्री रितिका कुमारी मीणा, डॉ. मधु शास्त्री, पंकज चावड़ा, रणजीत सिंह आदि ने पत्रवाचन किया।

इन तकनीकी सत्रों के पश्चात् प्रो. जी.डी. गुलाटी, प्रो. जी.एल. देवड़ा, प्रो. इनायत अली जैदी, प्रो. रविन्द्र कुमार, प्रो. डी.के. वशिष्ठ की अध्यक्षता में खुले सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व में पढ़े गये पत्रों का विश्लेषण करने के साथ ही संगोष्ठी के विषय पर प्रतिभागियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया। इस संगोष्ठी की सफलता एवं उसके उद्देश्यों पर विचार करते हुए विषय विशेषज्ञों ने कहा कि इस तरह की संगोष्ठी न केवल वर्तमान समय में प्रासंगिक है अपितु भविष्य के लिए भी इतिहास के शोधार्थियों का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस खुले सत्र में इतिहास से जुड़े विभिन्न विषयों के संदर्भ में नवीन शोधों हेतु शोधार्थियों को सूत्र भी प्रदान किये गये। जिसमें स्थानीय प्रवास, कला, संस्कृति एवं भाषा के निर्माण में प्रवास की भूमिका आदि विषयों की ओर शोध हेतु प्रेरित किया। संगोष्ठी के समापन समारोह में सुश्री ललिता जांगड़ द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी एवं प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कामयाब नहीं काबिल बनो–श्रीमती आनन्दी (आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन)

जय नारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में दिनांक 1 जुलाई, 2017 को नये सत्र का आगाज छात्राओं के आमुखीकरण कार्यक्रम से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य शिक्षा प्रतिष्ठान, जोधपुर की निदेशक आई.ए.एस. अधिकारी श्रीमती आनन्दी उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन से हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नवागंतुक छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज का दिन अत्यन्त गौरव का दिन है क्योंकि आज हमारे इस परिवार में नये सदस्य जुड़े है। उन्होंने महाविद्यालय की उपलब्धियों को बताते हुए महाविद्यालय

द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी एवं महाविद्यालय से सम्बन्धित विभिन्न नियमों से छात्राओं को अवगत कराया।

मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आई.एस. अधिकारी श्रीमती आनन्दी ने अपने वक्तव्य में कहा कि "छात्राओं को इस महाविद्यालय से जुड़कर हमें अपना लक्ष्य बड़ा रखना चाहिये और उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये कड़ी मेहनत, लगन से आगे बढ़ना चाहिए" हमें ये सदैव अपने भीतर काबिल बनने की चाहत होनी चाहिये, कामयाब बनने की नहीं क्योंकि हम काबिल बन गये तो कामयाबी तो स्वतः ही मिल जायेगी। संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने अपने उद्बोधन नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय शेरे राजस्थान श्री जयनारायण व्यास जी के महिला शिक्षा के स्वप्न की साकार प्रतिमूर्ति है। जहाँ महिला न केवल शिक्षित होती अपितु संस्कारित बनती है। इस महाविद्यालय का उद्देश्य ही **संस्कृता स्त्री परा शक्ति है।**

आमुखीकरण कार्यक्रम के इस अवसर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के प्राध्यापकों का नव प्रवेशित छात्राओं से परिचय कराया गया। प्रो. एस.पी. व्यास ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय अपनी स्थापना से लेकर आज तक निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और यह इस महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के सभी सदस्यों के निस्वार्थ सेवा का ही फल है कि यह महाविद्यालय न केवल जोधपुर में अपितु राजस्थान में भी अपनी साख रखता है।

इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सभी सदस्य प्रो. के.एन. व्यास, प्रो. ए. बोहरा, श्री श्यामलाल हर्ष वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सूरज प्रकाश व्यास, प्रो. एन.डी. पुरोहित, श्री कृष्णकान्त व्यास, श्री जी.पी. व्यास तथा सभी संकायों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रंजना उपाध्याय ने किया।

कन्या भ्रूण हत्या, एक ज्वलंत समस्या – नवीन जैन

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 'Daughters are Precious' कार्यक्रम के महाविद्यालय जागरूकता अभियान के अन्तर्गत एन.एस.एस. की तीनों इकाईयों व प्रो. ए.डी. बोहरा स्मृति वूमन लॉ कॉलेज की छात्राओं के लिए एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्रीमान् नवीन जैन (IAS, Mission Director NHM & Secretary, Medical Health and Family Welfare Dept., Rajasthan) ने "राजस्थान में बाल लिंगानुपात के घटते स्तर व पी.सी.पी.एन.डी.टी. कानून की प्रासंगिकता" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने पॉवरपॉइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से गर्भस्थ शिशु में समय के साथ होने वाले विभिन्न भ्रूणीय विकासों को वीडियो के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी। साथ ही यह भी बताया कि – 'वर्तमान में कन्या भ्रूण हत्या के विभिन्न तरीके अपनाये जा रहे हैं जिनमें वैक्यूम सक्शन मेथड, कटिंग अप मेथड, सर्जिकल मेथड व सॉल्ट मेथड का प्रयोग किया जा रहा है जिससे कन्या–संतान से छुटकारा पाना सहज हो गया है।' उन्होंने विभिन्न जनगणना वर्षों के आँकड़ों को प्रस्तुत करते हुए कन्या–लिंगानुपात कम होने की ओर ध्यान आकर्षित करवाया तथा वर्तमान को देखते हुए कन्या–भ्रूणहत्या रोकथाम के लिये पी.सी.पी.एन.डी.टी. के प्रयासों के बारे में अवगत कराया तथा इससे लिंगानुपात बढ़ने के महत्व को बताया।

कार्यक्रम को डॉ. संजीव जैन (संभागीय संयुक्त निदेशक, चिकित्सा विभाग), डॉ. सुरेन्द्र चौधरी (मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी), संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने भी संबोधित किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रघुवीर सिंह, वरिष्ठ स्त्री–रोग विशेषज्ञ डॉ. उमा मिश्रा, संस्थान सचिव प्रो. के.एन. व्यास, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, विज्ञान संकाय के निदेशक प्रो. ए. बोहरा, पी.सी.पी.एन.डी.टी. की सलाहकार सरला, एन.यू.एच.एम. के सलाहकार व कई अन्य चिकित्सा विभाग के अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में पोस्टर–प्रतियोगिता की प्रथम विजेता सुश्री महिमा जोशी, द्वितीय विजेता नम्रता वंगा, तृतीय विजेता कुसुमलता एन. व कृतिका गौड़ तथा रेणु को पुरस्कृत किया गया। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के तहत स्वयंसेविकाओं को सम्मानित किया गया। एन.एस.एस. के कार्यक्रम–अधिकारी श्रीमती स्नेहलता व्यास, डॉ. भरत भट्ट व डॉ. आकांक्षा सिंहल ने सभी गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. प्रियंका व्यास ने किया।

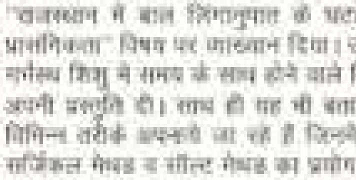

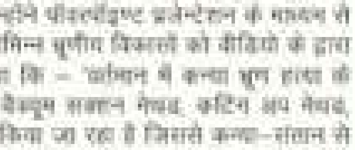

बालिका शिक्षा हेतु अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला

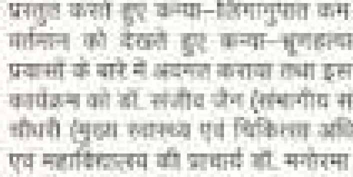

महिला पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों द्वारा ग्रामीण बालिका शिक्षा प्रोत्साहन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि "रिवाइव प्रोजेक्ट–वूमेन एम्पावरमेन्ट सेल्फ हेल्प ग्रुप" बाप व फलौदी क्षेत्र द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यू.एस.ए. से निकोला मेरिसा सेल्वर, ईमेलिया सूली ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्यार व सेवा ही मेरा ध्येय है। शिक्षा विकास की पूंजी है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि वे यू.एस.ए. से राजस्थान के पांच अलग गाँवों में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु प्रोजेक्ट चला रही हैं। इनके साथ बाप व फलौदी गांव के गणमान्य स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किये। महाविद्यालय की अध्ययनरत ग्रामीण क्षेत्र से आयी छात्राओं ने बाप व फलौदी गांव की छात्राओं से अन्तर्क्रियात्मक कार्यक्रम किया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सूरज प्रकाश व्यास ने आगन्तुक छात्राओं को प्रोत्साहित किया। प्रो. एस.पी. व्यास ने आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रो. ए. बोहरा ने स्मृति चिन्ह द्वारा आगन्तुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर बाप गांव के प्रोजेक्ट मैनेजर सुशील घोष, विक्रम सिंह, डॉ. पी.एन. बोहरा, डॉ. एस.एल. हर्ष ने भी प्रोजेक्ट कार्यक्रम की जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम प्रभारी डॉ. भरत भट्ट, श्रीमती स्नेहलता व्यास एवं डॉ. [illegible] माथुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनिता बोहरा ने किया।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय के एन.एस.एस. की तीनों इकाईयाँ, प्रो. ए.डी. बोहरा मेमोरियल वूमन लॉ कॉलेज एवं राजस्थान उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायाधिपति गोपाल कृष्ण व्यास, वरिष्ठ न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर, माननीय न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग, न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर व अतुल कुमार चटर्जी, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जोधपुर महानगर, ओम कुमार व्यास, अध्यक्ष, स्थायी लोक अदालत, जोधपुर तथा प्रो. के.एन. व्यास, सचिव, श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान, जोधपुर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की भूमिका में संस्थान उपाध्यक्ष ने गोपाल कृष्ण व्यास का साफा पहनाकर स्वागत किया और वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्तमान समाज में फैल रही ब्लू व्हेल चैलेंज गेम से बच्चों में फैलती मानसिक तनाव व इससे संबंधित दुष्परिणामों से अवगत कराया। वरिष्ठ न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में आज की युवा पीढ़ी में द्रुत गति से इस गेम से होने वाली आत्महत्याओं को रोकने हेतु सुझाव दिये। उन्होंने यह भी बताया कि सीमित मात्रा में युवा पीढ़ी को हर वस्तु का प्रयोग करना चाहिये। इसके अन्तर्गत पोस्टर व पैम्फलेट का विमोचन व प्रमाण–पत्र वितरित किये गये।

कार्यक्रम की इस कड़ी में न्यायाधिपति ने लोक अदालत के संदर्भ में अनेक जानकारियां बतायी। इस कार्यक्रम के तहत संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूरज प्रकाश व्यास, उपाध्यक्ष प्रो. एन.डी. पुरोहित, जी.पी. व्यास, महिला पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय, महिला टी.टी. कॉलेज की प्राचार्य डॉ. उमा [illegible] तथा प्रो. ए.डी. बोहरा मेमोरियल वूमन लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज व्यास उपस्थित रहे। महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाविद्यालय में द्वितीय युवा संसद का आयोजन

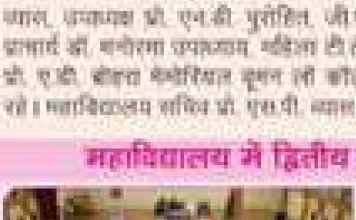

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में 25 जनवरी 2018 को युवा संसद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद श्री जसवंत सिंह बिश्नोई और जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. पी. एस. भाटी उपस्थित थे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में संस्थान उपाध्यक्ष श्री सूरज प्रकाश व्यास, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, विज्ञान संकाय के निदेशक प्रो. ए. बोहरा, संस्थान सदस्य श्री जी.पी. व्यास ने मुख्य अतिथियों का साफा, माला, स्मृति चिह्न व गमला भेंट कर उनका स्वागत किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की तीनों संकाय की छात्राओं ने भाग लिया।

संसदीय प्रक्रिया के पश्चात् मुख्य अतिथि श्री जसवंत सिंह बिश्नोई ने सदन की गरिमा का महत्व बताया। साथ ही सदन में क्रियान्वित होने वाली प्रक्रिया से अवगत कराते हुए सभी तथ्यों की जानकारी दी। भविष्य में आयोजित होने वाली युवा संसद के लिये महत्वपूर्ण जानकारियाँ देते हुए उनके आत्मविश्वास की प्रशंसा की। प्रो. पी.एस. भाटी ने भी छात्राओं की सफल व पूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी इसी प्रकार के सफल आयोजन के लिये आशीर्वचन दिया। युवा संसद में महाविद्यालय की छात्राओं ने मुख्य भूमिका में अध्यक्ष

जया माथुर, प्रधानमंत्री नेहल, विधि मंत्री भारती, स्वास्थ्य मंत्री कोमल सोनी, शिक्षा मंत्री पलक सोनी, गृहमंत्री जस्मीता ने अपना प्रदर्शन किया। वहीं विपक्ष दल में नेता के रूप में प्रियंकी तथा सदस्यों के रूप में अभिलाषा, कोमल पुरोहित, निशा, हिमांशी, मधु, मुस्कान, प्रियंका व खुशबू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सीमा हटीला, डॉ. हेमा मेहता एवं श्रीमती स्मिता पुरोहित ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन सुश्री हेमेन्द्रा प्रभाकर ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. एस. पी. व्यास ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महिला पी.जी.महाविद्यालय समाजशास्त्र की छात्रा को स्वर्ण पदक

महिला पी.जी.महाविद्यालय समाजशास्त्र विभाग में एम.ए.उत्तरार्द्ध 2016 की छात्रा सुश्री पूजा गहलोत ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डा.मनोरमा उपाध्याय ने छात्रा को बधाई देते उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जय नारायण व्यास शिक्षा संस्थान अध्यक्ष प्रो.पी.एम. जोशी ने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित करने हेतु छात्रा को बधाई दी। एवं संस्थान सचिव प्रो. के.एन. व्यास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूरजप्रकाश व्यास एवं महाविद्यालय सचिव प्रो.एस.पी.व्यास, ने छात्रा को बधाई देते हुए उसे प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डा.सुनिता बोहरा ने बताया की छात्रा ने महाविद्यालय के साथ अपने गांव पालड़ी मांगलियान का नाम रौशन करते हुए ग्रामीण बालिका शिक्षा की प्रेरक बनी। डॉ. संदीप पुरोहित, व श्रीमती पूजा कल्ला व श्रीमती दीपशिखा बोहरा ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं महाविद्यालय का नाम रौशन करने की बधाई दी।

डॉ. पुरोहित का शोध पत्र राव गणपत सिंह चितलवाना पुरस्कार से पुरस्कृत

जयनारायण व्यास शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनिल पुरोहित को एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 22–24 दिसम्बर, 2017 को आयोजित राजस्थान इतिहास कांग्रेस के 32वें अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में 22 दिसम्बर, 2017 को 31वें अधिवेशन में प्रस्तुत किये गये 170 शोध पत्रों में से डॉ. अनिल पुरोहित के शोध पत्र **उपनिवेशिक वर्ग में आन्तरिक सामाजिक–आर्थिक स्तरीकरण : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन** को **राव गणपत सिंह चितलवाना श्रेष्ठ शोध पत्र** से पुरस्कृत किया गया। डॉ. अनिल पुरोहित को इससे पूर्व पश्चिमी राजस्थान के उपनिवेशिक वर्ग के अध्ययन हेतु भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दो वर्षों हेतु रुपये 4,00,00/- की शोध परियोजना प्राप्त हो चुकी है। जयनारायण व्यास शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने डॉ. अनिल पुरोहित के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी.व्यास ने डॉ. पुरोहित को सतत् शोध क्षेत्र में कार्य में संलग्न रहने की प्रेरणा दी। जयनारायण व्यास शिक्षा संस्थान के सचिव प्रो. के.एन. व्यास ने डॉ. अनिल पुरोहित को आशीर्वाद देते हुए, ऐसी उपलब्धियों के लिये और प्रयास करने को कहा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ मनोरमा उपाध्याय ने इस उपलब्धि पर डॉ. अनिल पुरोहित को शुभकामनाएं दी।

छात्रवृत्ति प्रदान की गई

महिला पी.जी. महाविद्यालय की छात्राओं को महिन्द्रा फायनेंस लिमिटेड द्वारा 16 छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। महिन्द्रा फायनेंस से श्री हितेश अग्रवाल एवं टीम द्वारा छात्राओं को शैक्षणिक योग्यता एवं वार्षिक आय के अनुसार आवेदन मांगे गये तथा प्रत्येक छात्राओं को दस हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। प्रो. डी. अमलेश्वर बोहरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्राचार्य मनोरमा उपाध्याय ने सभी चयनित छात्राओं को प्रोत्साहित किया। सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने सभी छात्राओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा प्रियदर्शिनी हर्ष ने किया।

सम्पादन समिति : मुख्य सम्पादक - डॉ. मनोरमा उपाध्याय
सह सम्पादक - डॉ. भरत भट्ट, - डॉ. अनिता बोरा (आसोपा)

प्रो. एस.पी. व्यास वरिष्ठ शोध अध्येता बने

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एस.पी. व्यास को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दो वर्षों हेतु वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति प्रदान की गई है। शोध का विषय: माइग्रेशन, सेटलमेन्ट एण्ड स्ट्रक्चर्स: ए कल्चरल स्टडी ऑफ चेन्जेज इन हिस्टोरिकल इकोलॉजी ऑफ राजस्थान है। प्रो. व्यास को पूर्व में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वर्ष 2015 से 2017 की अवधि हेतु एमेरिटस प्रोफेसर फेलोशिप भी प्राप्त हो चुकी है, जिसमें आपने थर्ड जेन्डर पर अपना कार्य किया था। थर्ड जेन्डर पर यह अपनी तरह का प्रथम शोध कार्य था। हिजड़ा वर्ग–निर्मित, हरम एवं जनानी ड्योढ़ी के रक्षकों – नाजिरों के रूप में इनका क्या योगदान था–इस पर प्रो. व्यास ने अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है।

क्षेत्रीय इतिहास में सांस्कृतिक इतिहास लेखन को कई नवीन आयाम आपने प्रस्तुत किये। शिलालेखों का सांस्कृतिक अध्ययन, नगरीकरण, विज्ञान एवं तकनीकि, प्रवजन एवं विस्थापन आदि कई ऐसे क्षेत्र, क्षेत्रीय इतिहास लेखन में प्रो. व्यास द्वारा प्रस्तुत किये गये है। आपने सदैव युवा–शोधार्थियों को नवीन शोध, मूल स्त्रोतों के उपयोग हेतु प्रेरित किया। प्रो. व्यास ने पूर्व में राजस्थान के शिलालेखों, मारवाड़ के जल स्त्रोतों, सांस्कृतिक विरासतों जैसे अनेक ऐतिहासिक विषयों पर आधारभूत शोधपूर्ण कार्य किये है। प्रो. व्यास वर्तमान में राजस्थान इतिहास कांग्रेस के सचिव पद पर पिछले 09 वर्षों से कार्यरत है। प्रो. व्यास के 50 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की पत्र पत्रिकाओं में छप चुके है। आपने अब तक अपने अनुभवी निर्देशन में 25 शोधार्थियों को शोध कार्य करवाया है, तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की अनेक इतिहास संगोष्ठियों का आयोजन भी किया है।

महिला पी.जी. महाविद्यालय की छात्राओं का परचम लहराया

श्री जयनारायण व्यास शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय की छात्राओं ने "जोधपुर जिला स्तरीय शोतो काई कराटे चैम्पियनशिप" में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पदक प्राप्त किया। काता में स्वर्ण–पदक ईशा अग्रवाल, रजत पदक सुलेखा पटेल, कांस्य पदक मोनिका सोनी ने प्राप्त किया। इसी क्रम में कुमेते में स्वर्ण–पदक लक्ष्मी चौहान, रजत पदक मंजू कच्छवाहा, कांस्य पदक पूनम सानखी तथा ईशा अग्रवाल ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने छात्राओं को आगे बढ़ने तथा राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया। महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। छात्राओं ने यह प्रतियोगिता प्रशिक्षक सुश्री नेहा कच्छवाहा तथा सुश्री योगिता कच्छवाहा के प्रशिक्षण में प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्य जे.पी. व्यास, के.सी. बोहरा तथा प्रो. ए. बोहरा उपस्थित थे। कराटे की प्रभारी डॉ. हेमा जैन ने बताया कि महाविद्यालय में लगभग पिछले तीन वर्षों से कराटे की कक्षाएं नियमित रूप से चल रही है तथा महाविद्यालय की छात्राओं ने कराटे में ब्लेक बेल्ट भी प्राप्त की हुई है।

पल्स पोलियो अभियान - एन.एस.एस. की स्वयंसेविकाओं ने किया जागरूक

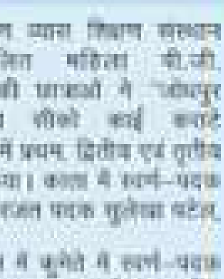

श्री जयनारायण व्यास शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय के एन.एस.एस. की तीनों इकाईयों की स्वयंसेविकाओं ने भारत सरकार के पल्स पोलियो अभियान में भाग लिया तथा शहर के भीतरी क्षेत्र सिवांची गेट में स्थित पोलियो–बूथ, आंगनवाड़ी–केन्द्रों एवं विभिन्न मौहल्लों में घर–घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिये जागरूक किया। बच्चों को चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर पोलियो की खुराक पिलाई गई। यह कार्यक्रम राजकीय चिकित्सालय, सिवांचीगेट के चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.एन. व्यास, लेब टैक्नीशियन शैलेन्द्र पुरोहित व नर्सिंग स्टाफ के सहयोग से सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि एन.एस.एस. की प्रमुख गतिविधियों में पल्स पोलियो अभियान एक मुख्य उद्देश्य होता है। महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने बताया कि बच्चों में पोलियो–रोग एक गंभीर समस्या है, जिसका निवारण हमें जागरूक रहकर करना होगा। कार्यक्रम का संयोजन तीनों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों श्रीमती स्नेहलता व्यास, डॉ. भरत भट्ट व डॉ. आकांक्षा सिंह के निर्देशन में हुआ।